मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 04, मुंबई, बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

DESI™ VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

महायुति सरकार में मतभेद

बीजेपी नेता ने लगाई मुहर! अमित शाह तक पहुंचा 'शोर'

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में दरार की अटकलों के बीच राज्य के मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा है कि किसी गठबंधन सरकार में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार के बारे में शिकायत की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कराड के एनकाउंटर का मिला था ऑफर!

निलंबित पुलिस अधिकारी कासले के खुलासे से मचा हड़कंप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में गिरफ्तार वाल्मीक कराड को लेकर निलंबित पुलिस अधिकारी रंजीत कासले ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें कराड का एनकाउंटर करने का ऑफर मिला था। कासले के मुताबिक, कुछ लोगों ने उन्हें कराड के एनकाउंटर का प्रस्ताव दिया था, जिसका जिक्र उन्होंने स्टेशन डायरी में भी किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव केवल वाल्मीक कराड के लिए था और यह उन्हें निलंबित किए जाने से पहले दिया गया था। कासले ने कहा, मैंने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि मैं ऐसा पाप नहीं कर सकता हूं। देशमुख मर्डर केस के तूल पकड़ने के बाद बीड में अपराध को बढ़ावा देने के मामले में जिन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें बीड के साइबर पुलिस अधिकारी कासले भी शामिल हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दाल मिल में बड़ा हादसा

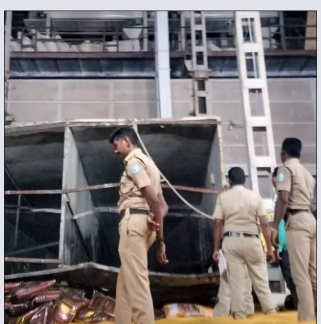

लोहे का स्टोरेज गिरने से 3 मजदूरों की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक दाल मिल में काम के दौरान स्टील निर्मित भंडारण इकाई गिरने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को यवतमाल के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम क्षेत्र स्थित मनोरमा जैन दाल मिल में हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भंडारण इकाई टूटकर पांच श्रमिकों पर गिर गई। अधिकारी ने बताया कि हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मारे गए श्रमिकों में से दो मध्य प्रदेश से थे, जबकि एक महाराष्ट्र के वर्धा जिले से था। हादसे के बाद मिल में चीख-पुकार मच गई। साथी श्रमिकों और अन्य लोगों ने दबे हुए श्रमिकों को निकालने ने कोशिशें शुरू की।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिंदे और राज ठाकरे आएंगे साथ!

डिप्टी सीएम ने एमएनएस प्रमुख से की मुलाकात, मंत्री सामंत ने खोले राज

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के राजनीति में कब क्या हो जाए पता नहीं। इस साल होने वाले निकाय चुनावों को लेकर पार्टियों ने रणनीतियां बनाना शुरू कर दिया है। इस बीच राज्य उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मंगलवार यानी 15 अप्रैल की रात मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के आवास पर पहुंचे। इसके बाद एक बार फिर से राजनीति गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच अनबन की चर्चा थी। यह अनबन माहिम विधानसभा सीट को लेकर थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजनीतिक विभाजन को पाटने के लिए एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे मुलाकात कर रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिवसेना-मनसे साथ आएंगी तो खुशी होगीः सामंत

राज्य मंत्री व शिंदे गुट के नेता उदय सामंत ने कहा कि हम जानते हैं कि अगर राज ठाकरे के घर एकनाथ शिंदे डिनर पर जाते हैं तो इसका निश्चित तौर पर राजनीतिक असर होगा, लेकिन अगर राज ठाकरे हमारे साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे का रिश्ता बहुत पुराना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चोकसी का होगा प्रत्यर्पण?

क्या मेहुल चोकसी का बेल्जियम से प्रत्यर्पण होगा? भारत और बेल्जियम के बीच प्रत्यर्पण संधि है। इसलिए कानूनन वहां से चोकसी का प्रत्यर्पण नामुमकिन नहीं है। मगर ये प्रक्रिया आसान नहीं होगी। चोकसी जमानत की अर्जी देने की तैयारी में है।

नवंबर 2008 में मुंबई पर हुए आतंकवादी हमलों के प्रमुख आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के कुछ दिन बाद ही गंभीर आर्थिक अपराध के आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी की खबर आई है। इससे संभावना जगी है कि चोकसी को भारत लाकर कानून के कठघरे में कड़ा किया जा सकेगा। बेल्जियम पुलिस ने 12 अप्रैल को फरार हीरा कारोबारी चोकसी को गिरफ्तार किया। बेल्जियम के न्याय विभाग ने कहा है कि चोकसी को आगे की न्यायिक कार्रवाई होने तक हिरासत में रखा गया है। अब प्रमुख सवाल है कि क्या चोकसी का प्रत्यर्पण होगा? भारत और बेल्जियम के बीच प्रत्यर्पण संधि है। इसलिए कानूनन वहां से चोकसी का प्रत्यर्पण नामुमकिन नहीं है। मगर ये प्रक्रिया आसान नहीं होगी। चोकसी जमानत की अर्जी देने की तैयारी में है। उसके वकील ने कहा है कि यह अपील मुख्य रूप से चोकसी के स्वास्थ्य संबंधी हालात पर आधारित होगी, क्योंकि उसका कैंसर का इलाज चल रहा है। बीते सालों में उसकी लीगल टीम ने प्रत्यर्पण का विरोध करने के लिए कई कारण गिनाए हैं। एक मौके पर कहा गया था कि भारत में उसकी जान को खतरा है और भारत में मॉब लिंचिंग का चलन भी है। चोकसी, उसके भतीजे फरार हीरा कारोबारी नीरव मोदी और कई अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआई और ईडी ने 2018 में पंजाब नेशनल बैंक के साथ लोन धोखाधड़ी करने के आरोप में मामला दर्ज किया था। यह करीब 13,000 करोड़ रुपयों का घोटाला बताया जाता है। पीएनबी ने शिकायत की थी कि चोकसी और अन्य लोगों ने बैंक के कुछ अधिकारियों के साथ मिल कर बैंक को नुकसान पहुंचाया। नीरव मोदी भी चोकसी की तरह फरार है। उसके अलावा विजय माल्या, ललित मोदी, नितिन संदेसरा आदि जैसे आर्थिक अपराध के कई आरोपी हैं, जो विदेश जाकर मौज की जिंदगी जीते रहे हैं। यह प्रकरण भारत में गर्म सियासी मुद्दा रहा है। चूंकि उन सबका प्रत्यर्पण कराने में भारतीय एजेंसियां अब तक लाचार नजर आई हैं, इसलिए इन मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरता रहा है। इसलिए ये सवाल अहम है कि क्या अब चोकसी का प्रत्यर्पण होगा?

एनडीए से रालोजपा का नाता खत्म, अब बनायेंगे नया बिहार : पशुपति पारस, राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी एवं दलित सेना के संयुक्त तत्वावधान में डॉ भीम राव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों हजार की संख्या में पूरे प्रदेश से आए पुरुष, महिलाएं और युवा वर्गों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर विरोधियों को दिखा दिया कि रालोजपा ही असली दलितों की पार्टी है। बापू सभागार में आयोजित संकल्प सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सूरजभान सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज पासवान, चंदन सिंह एवं युवा तुर्क नेता यशराज पासवान उर्फ.मुस्कान को अंग वस्त्र, पाग एवं विशाल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। रालोजपा

सुप्रीमो व पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने एनडीए गठबन्धन से अलग होने का किया ऐलान और बोली अब एक नया बिहार बनायेंगे। चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत बिहार के सभी जिले में घूम घूम कर आम लोगों की राय जन रहे हैं। इसी आधार पर हमारी पार्टी बिहार की सभी विधान सभा की 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। मीडिया द्वारा यह पूछे जानेपर कि गठबन्धन का हिस्सा बनेंगे ? पशुपति पारस ने जबाब में कहा जिस गठबन्धन में पार्टी को उचित सम्मान मिलेगा, उसी से गठबन्धन करेंगे। रालोजपा सुप्रीमो पशुपति पारस ने संकल्प सम्मेलन में पुनः एक बार सरकार से मांग किया कि स्व० राम विलास पासवान को भारत रत्न देने की सिफारिश करे, सरकारी नौकरियों की तरह निजी क्षेत्र की नौकरियों में भी आरक्षण की व्यवस्था की जाय। सम्मेलन को संबोधित करने वालों में प्रमुख थे सूरजभान सिंह, चंदन सिंह, प्रिंस राज पासवान, यशराज पासवान उर्फ. मुस्कान तथा केशव सिंह आदि। रालोजपा और दलित सेना के राष्ट्रीय नेता भी दिल्ली और अन्य प्रदेशों से आए और सम्मेलन में भाग लिए।

वक्फ अधिनियम 2025 से वक्फ संपत्तियों को लाभ पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचने का खतरा

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद द्वारा मदनी हॉल, जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में, प्रख्यात कानूनी विशेषज्ञों, विद्वानों, बुद्धिजीवियों और सामाजिक नेताओं ने एकमत से वक्फ अधिनियम 2025 की कई कमियों को उजागर करते हुए इसे वक्फ संपत्तियों के लिए खतरा बताया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वक्फ की सुरक्षा न केवल कानूनी बल्कि धार्मिक, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। कानूनी विशेषज्ञों ने इस कानून को उपासना स्थल अधिनियम 1991 को कमजोर और अप्रभावी बनाने वाला भी बताया।

इस अवसर पर अपने उद्घाटन भाषण में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने सभी विशिष्ट अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद ने आजादी से पहले और बाद में वक्फ की रक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जमीअत की सिफारिशों को 1937 के शरीयत एप्लीकेशन एक्ट और बाद में 1954 और 1995 के वक्फ अधिनियमों में शामिल किया गया, लेकिन वर्तमान सरकार ने किसी भी धार्मिक या कानूनी संस्था की राय को ध्यान में नहीं रखा है। मौलाना मदनी ने कहा कि मौजूदा मसौदा कानून वक्फ की भावना और उसके उद्देश्यों को कमजोर करता है। इसलिए जरूरी है कि न सिर्फ कानूनी और संवैधानिक स्तर पर इसका विरोध किया जाए, बल्कि जनता में जागरूकता भी पैदा की जाए ताकि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वक्फ विशेषज्ञ और पूर्व आईआरएस अधिकारी सैयद महमूद अख्तर ने कहा कि नए कानून का ढांचा दिल्ली विकास प्राधिकरण जैसा है, जिसमें शरिया सिद्धांतों की कोई झलक नहीं है। सेंट्रल वक्फ काउंसिल के पूर्व सदस्य एम इकबाल ए शेख ने कहा कि धारा 40 और धारा 83 के जरिए वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों का कानूनी दर्जा खत्म करने की कोशिश की गई है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया के सज्जादा नशीन एडवोकेट पीरजादा फरीद अहमद निजामी ने कहा कि धारा 3 में पांच

साल के मुसलमान की शर्त और धारा 3डी में पुरातात्विक स्थलों के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों से वक्फ का दर्जा खत्म करने जैसे बिंदु इस्लामी सिद्धांतों के विपरीत हैं। अफजाल मुहम्मद सफवी फारूकी, नायब सज्जादा नशीन, दरगाह सफीपुर ने कहा कि नए कानून में मठों व दरगाहों के प्रबंधन को लेकर दिशा-निर्देशों का अभाव और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की अज्ञानता एक बड़ी चुनौती है। सैयद मुहम्मद अली हुसैनी (सज्जादा नशीन, गेसू दराज) ने कहा कि वक्फ संपत्तियों के दस्तावेज तत्काल तैयार करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट एम आर शमशाद ने कहा कि यह बाहरी तौर पर कुछ और, आंतरिक तौर पर कुछ और है, इसलिए प्रत्येक व्यक्तिगत संपत्ति की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। एडवोकेट रऊफ रहीम ने कहा कि एकता समय की मांग है; व्यक्तिगत प्रयासों से पर्याप्त सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह नये कानून के संबंध में राष्ट्रीय जागरूकता का स्वागत करते हैं। एडवोकेट मुहम्मद ताहिर हकीम, गुजरात, ने कहा कि वक्फ संपत्ति का दर्जा खत्म करने की गुंजाइश चिंताजनक है। सेवानिवृत्त आईएफएस एमजे अकबर ने कहा कि वक्फ को खत्म करके ट्रस्ट संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो वक्फ व्यवस्था को खत्म करने की साजिश है। सुझावों और व्यावहारिक कदमों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, जमीअत उलमा, पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष मौलाना सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने सुझाव दिया कि वकीलों की एक टीम बनाई जाए और उनके संपर्क नंबर प्रकाशित किए जाएं ताकि जनता अपने क्षेत्रों की वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा में उनकी मदद ले सके। जमीअत उलमा, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून ने सुझाव दिया कि 100 शहरों में छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजित कर जन जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। जमीअत के महाराष्ट्र के अध्यक्ष हाफिज नदीम सिद्दीकी ने कहा कि जमीनी स्तर पर रिकॉर्ड की जांच और संरक्षण का काम युवाओं की टीम बनाकर किया जाना चाहिए, खासकर ब्लॉक स्तर पर। जमीअत उलमा, गुजरात के महासचिव प्रोफेसर निसार अंसारी ने कहा कि सभी राज्यों में उप-समितियां बनाकर दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। जमीअत उलमा तेलंगाना के हाफिज पीर खालिक साबिर ने कहा कि वक्फ को सबसे ज्यादा नुकसान अपने ही लोगों से हुआ है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सिर्फ 23,000 एकड़ जमीन बची है, जबकि कुल संपत्ति पचास हजार से ज्यादा है। जमीअत उलमा सूरत के अध्यक्ष मौलाना अरशद मीर ने सुझाव दिया कि वक्फ की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया जाना चाहिए। शिक्षा विशेषज्ञ सैफ अली नकवी ने सुझाव दिया कि वक्फ के संबंध में फैली गलतफहमियों को दूर करने के लिए यूट्यूबर्स का उपयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर कानून संबंधित मामलों की देख रेख कर रहे मौलाना नियाज अहमद फारूकी ने विस्तृत कानूनी बिन्दु प्रस्तुत किये। जमीअत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। बैठक का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता ओवैस सुल्तान ने की। बैठक की शुरूआत कारी अहमद अब्दुल्ला ने पवित्र कुरआन और नात शरीफ के पाठ से की। इस बैठक में अन्य प्रतिभागियों में अकरम जब्बार खान (संयोजक, वक्फ समिति, जमीअत उलमा-ए-हिंद), सैयद मुहम्मद यादुल्लाह हुसैनी (सज्जादा नशीन, रौजा खुर्द, गुलबर्गा शरीफ के उत्तराधिकारी) शामिल थे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारतीय मिशनों ने दुनिया भर में धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों ने भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माताओं में से एक डॉ. बी. आर. आंबेडकर को सम्मान देते हुए धूमधाम से आंबेडकर जयंती मनाई। दुनिया भर में विभिन्न भारतीय मिशनों ने उनकी विरासत का जश्न मनाने और न्याय, समानता एवं सामाजिक सुधार में उनके स्थायी योगदान को याद करते हुए सम्मेलन और सेमिनार आयोजित किए। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारतीय मिशन ने एक विशेष कार्यक्रम के साथ डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने ह्यसंयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर डॉ. आंबेडकर के विजन की कालातीत अपील शीर्षक वाले कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया। अपने भाषण में, मंत्री ने डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को परिवर्तनकारी कार्रवाई में लाने के लिए भारत द्वारा की गई कई पहलों पर जोर दिया। वहीं टोक्यो में भारतीय दूतावास ने एक स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें राजदूत सिबी जॉर्ज, दूतावास के कर्मचारी और प्रवासी भारतीयों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और डॉ. आंबेडकर की समानता और न्याय की स्थायी विरासत पर बात की।

इसी तरह, न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया, जहां उच्चायुक्त नीता भूषण और उनकी टीम ने डॉ. आंबेडकर द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा मंगोलिया स्थित भारतीय दूतावास ने राष्ट्र निर्माण में भारत और मंगोलिया के संविधानों का योगदान शीर्षक से एक सम्मेलन आयोजित करके डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में भारतीय संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ और भारत-मंगोलिया राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। ये वैश्विक स्मरणोत्सव डॉ. आंबेडकर के प्रति गहरी श्रद्धा को दशार्ते हैं। आंबेडकर की दृष्टि और आदर्श न केवल भारत, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी प्रेरित करते हैं। न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दुनिया भर के लोकतांत्रिक समाजों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश बनी हुई है। इन श्रद्धांजलियों के माध्यम से भारत ने डॉ. आंबेडकर द्वारा समर्थित मूल्यों को बनाए रखने और उनकी कालातीत विरासत को दुनिया के साथ साझा करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की है।

एयर इंडिया ने सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी बढ़ाई, एजेंटफोर्स तकनीक को अपनाया

मुंबई। दुनिया की नंबर 1 एआई आधारित सीआरएम कंपनी सेल्सफोर्स ने यह घोषणा की कि उसने एयर इंडिया के साथ अपनी साझेदारी को और बढ़ाया है और एयर इंडिया अब सेल्सफोर्स एजेंटफोर्स का उपयोग करेगी। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की प्रक्रिया के तहत एयर इंडिया एजेंटफोर्स को अपनाने वाली पहली एयरलाइनों में से एक बन गई है। एजेंटफोर्स की मदद से एयर इंडिया मुख्य ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं को ऑटोमेट करेगी। इसका पहला चरण कुछ खास प्रकार की रिफंड समस्याओं का तेज समाधान करने और बड़े पैमाने पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेगा। एयर इंडिया पहले से ही सेल्सफोर्स की लंबे समय से ग्राहक है और वह सर्व्हिस क्लाउड, सेल्स क्लाउड, डेटा क्लाउड और आइंस्टाइन एआय का उपयोग कर ग्राहक जुड़ाव और बिजनेस ऑपरेशंस को बेहतर बनाती आ रही है। अब एजेंटफोर्स के इस्तेमाल से एयर इंडिया एआई से जुड़ी एयरलाइन बनने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है, जिसका उद्देश्य अपने यात्रियों को आधुनिक एजेंटिक एआई और मजबूत डेटा संरचना की मदद से एक सहज, तेज और व्यक्तिगत अनुभव देना है।

एआई-संचालित ऑटोमेशन से बड़ी ग्राहक समस्या का समाधानः रिफंड के अनुरोधों में अक्सर एयर इंडिया के कॉन्टैक्ट सेंटर, रिफंड टीम और ग्राहक के बीच कई बार जानकारी साँझा की जाती है, जिससे समाधान में देर होती है और ज्यादा मानवीय प्रयास लगते हैं। अब सेल्सफोर्स एजेंटफोर्स के माध्यम से एयर इंडिया इस प्रक्रिया को एजेंटिक एआई की मदद से नए सिरे से डिजाइन कर रही है। यह तकनीक पूरे प्रोसेस को तेज और आसान बनाती है - नियमित स्टेप्स को ऑटोमेट करती है, इंसानों का काम कम करती है और एजेंट्स को ज्यादा महत्वपूर्ण बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। इसका लाभ ग्राहकों को सीधे मिलेगाः अब उन्हें तेज समाधान, समय पर रिफंड और प्रोऐक्टिव अपडेट्स मिलेंगे। पहले उपयोग में सफलता मिलने के बाद, एयर इंडिया आने वाले महीनों में एजेंटफोर्स का इस्तेमाल अन्य कॉन्टैक्ट सेंटर ऑपरेशंस और ग्राहक संवाद के बिंदुओं पर, जैसे कि वॉइस-आधारित इंटरैक्शन में, बढ़ाने की योजना बना रही है। घोषणा पर टिप्पणियाँः अरुंधती भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट और सीईओ, सेल्सफोर्स - साउथ एशिया ने कहा एजेंटफोर्स ग्राहक सेवा का अगला चरण है - जहां एआई इंसानों के साथ मिलकर काम करता है और तेज, समझदार और व्यक्तिगत अनुभव बड़े पैमाने पर देता है। एजेंटफोर्स को अपनाकर एयर इंडिया एआई-आधारित ग्राहक सेवा का एक नया मानदंड तय कर रही है। उनकी एआई-फर्स्ट एयरलाइन बनने की सोच सेल्सफोर्स के उस मिशन से मेल खाती है जिसमें हम व्यवसायों को ऑटोमेशन, तेज सेवा और हर संवाद में ग्राहक की वफादारी बढ़ाने में मदद करते हैं। डॉ. सत्य रामास्वामी, चीफ डिजिटल एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर, एयर इंडिया ने कहा हम सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी कर एजेंटफोर्स को एविएशन इंडस्ट्री में लाने वाले पहले लोगों में शामिल होकर गर्व महसूस कर रहे हैं।

खास रिफंड मामलों को एजेंटिक एआई से सुलझाकर हमने इस प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे समाधान का समय बहुत कम हो गया है। हमारे यात्रियों के लिए इसका मतलब है झ रिफंड क्लेम्स की तुरंत स्वीकृति, रियल टाइम अपडेट्स और हर टचपॉइंट पर एक समान और आसान अनुभव। यह सिर्फ टेक्नोलॉजी का कदम नहीं, बल्कि ग्राहक पहले के वादे की ओर एक मजबूत कदम है - जो हर स्टेज पर तेज, समझदार और संवेदनशील सेवा देता है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

करांड के एनकाउंटर का मिला था ऑफर!

कासले ने दावा किया है कि कराड के फर्जी एनकाउंटर के लिए उन्हें 5-10 करोड़ रुपये से लेकर 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की जा रही थी। उन्होंने इस संबंध में एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसके चलते बीड में एक बार फिर हड़कंप मच गया है। कासले के दावों के बारे में पूछे जाने पर बीड के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये सभी बातें निराधार हैं। उन्होंने कहा, कासले जो कुछ भी बोल रहे हैं, उसके लिए उन्हें सबूत पेश करने चाहिए। वह जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कार्य नैतिकता के अनुरूप नहीं है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कासले को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और उनके खिलाफ प्रारंभिक जांच जारी है। पुलिस ने कासले को नोटिस भेजा है, लेकिन उन्होंने अभी तक इसे स्वीकार नहीं किया है।

महायुति सरकार में मतभेद

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सदस्यों के बीच भी मतभेद होते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग गठबंधन सरकार में एकसाथ आए हैं और यदि ऐसी स्थिति में कोई शोर नहीं होता है, तो किसी को यह जांचना पड़ सकता है कि वे जीवित हैं या नहीं। पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री शिंदे और पवार अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने कहा, जब ऐसे लोग एकसाथ आते हैं, तो स्वाभाविक रूप से कुछ शोर होगा। यह शोर दिखाता है कि वे जीवित हैं। असंतोष जताना आवश्यक है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना कथित तौर पर इस बात से नाराज है कि पार्टी के पास जो मंत्रालय हैं, उनसे संबंधित कुछ फाइल पवार के पास अटकी हुई हैं। अजित पवार राज्य के वित्त मंत्री भी हैं। ऐसी अटकलें हैं कि फडणवीस द्वारा राज्य की पूर्ववर्ती शिंदे सरकार द्वारा लिए गए कुछ फैसलों को पलटे जाने से भी शिवसेना नाराज है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। महायुति गठबंधन दिसंबर में विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद सत्ता में आया था। हालांकि, जून 2022 से मुख्यमंत्री रहे शिंदे को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली नयी सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा।

शिंदे और राज ठाकरेआएंगे साथ!

साथ ही मुंबई महानगरपालिका चुनाव की पृष्ठभूमि में यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे एक-दूसरे से मिले हो, लेकिन इस मीटिंग का विशेष महत्व है। ऐसा इसलिए, क्योंकि डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सदा सरवणकर विधानसभा चुनाव में माहिम विधानसभा सीट से अमित ठाकरे के खिलाफ मैदान में खड़े थे। इस बात की खूब चर्चा थी कि सदा सरवणकर की उम्मीदवारी वापस न लेने से एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे के बीच राजनीतिक दरार पैदा हो गई है। अमित ठाकरे विधानसभा चुनाव में हार गए थे। इसके बाद एकनाथ शिंदे पहली बार राज ठाकरे से मिलने पहुंचे थे। एकनाथ शिंदे और राज ठाकरे के बीच बैठक से क्या राजनीतिक समीकरण उभर कर आते हैं? यह तो आने वाला समय ही बता पाएगा, लेकिन इस मुलाकात को लेकर कई मायने निकाले जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की यह बैठक करीब रात के 9.30 बजे शुरू हुई और 11.15 बजे तक चली। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम शिंदे ने कहा कि राज ठाकरे से मुलाकात के बाद बालासाहेब की यादें ताजा हो गईं। यह मुलाकात पूरी तरह सद्भावनापूर्ण थी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। हम बालासाहेब ठाकरे के समय से साथ काम करते थे। कुछ कारणों से हम कुछ समय से नहीं मिल पाए थे। आप जानते हैं कि इसका कारण क्या था, लेकिन अब हम कभी भी मिल सकते हैं और बात कर सकते हैं। वह मुझसे भी मिलते हैं। हर मुलाकात का राजनीतिक मतलब निकालना ठीक नहीं है।

दाल मिल में बड़ा हादसा

साथ पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल श्रमिकों को अन्य लोगों की मदद से अस्पातल पहुंचाया। लोहारा पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी दाल मिल में 15 अप्रैल की शाम 6 बजे के करीब हुए दर्दनाक हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। जबकि दो मजदूर गंभीर रुप से घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार लोहारा थाना क्षेत्र में एक दाल मिल चलायी जाती है। यहां के दाल मिल में शहर के अलावा बाहरी जिलों व राज्यों के मजदूर काम करते हैं। यहां पर शाम के समय दाल स्टॉक करने का लोहे का भारी भरकम स्टोरेज गिर गया।

नवजात बच्चों की चोरी और तस्करी से जुड़े मामले में 'सुप्रीम आदेश'

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, नवजात चोरी हो तो रद्द करें अस्पताल का लाइसेंस

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नवजात बच्चों की चोरी और तस्करी से जुड़े मामले में बड़ा बयान दिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नवजात बच्चे को हॉस्पिटल से चुराया जाता है, तो सबसे पहले उस अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड कर देना चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में नवजात बच्चों की तस्करी के गैंग का पर्दाफाश होने को लेकर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आदेश दिया और दिल्ली में पकड़े गए बच्चा चोरी गैंग का जिक्र भी किया है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली गैंग के पर्दाफाश होने की घटना हैरान कर देने वाली है, जिसके चलते इसमें कोर्ट के दखल की आवश्यकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस रिपोर्ट भी मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूछा है कि दिल्ली के अंदर और बाहर से सक्रिय इस तरह के बच्चा चोर गिरोहों से निपटने के लिए उनकी ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? बच्चा चोरी के इस मामले में कई आरोपी फरार हैं, इसको लेकर कोर्ट ने कहा है कि कुछ आरोपी फरार हैं तो उनके खिलाफ ट्रायल कोर्ट गैर जमानती वारंट जारी करें। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि तस्करी किए गए बच्चों को आरटीई के तहत स्कूल में भर्ती कराया जाता है और उन्हें शिक्षा प्रदान करना जारी रखता है। ट्रायल कोर्ट बीएनएसएस और यूपी राज्य कानून के तहत मुआवजे के संबंध में आदेश पारित करने के लिए भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाल तस्करी के मामलों को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि कोई नवजात शिशु चोरी होता है तो अस्पतालों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए।

नवजात बच्चों की तस्करी के गैंग का पर्दाफाश

7 दिन पहले पकड़ा गया तस्करी गैंग

दिल्ली पुलिस ने 8 अप्रैल को नवजात बच्चा तस्करी गैंग के 2 महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया- यह गैंग दिल्ली-एनसीआर में निसंतान अमीर परिवारों को बच्चों की सप्लाई करते थे। राजस्थान और गुजरात से नवजात बच्चों को लाकर 5-10 लाख रुपए में बेचते थे।

लापरवाही बरती तो होगा एक्शन

सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाई कोर्ट को बाल तस्करी के मामलों में लंबित मुकदमे की स्थिति की जानकारी लेने का निर्देश देते हुए कहा कि लंबित मुकदमों को छह महीने में पूरा करने और मामलों के प्रतिदिन सुनवाई के आधार पर किए जाएंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि हमारे द्वारा जारी निर्देशों को लागू करने में अगर लापरवाही बरती गई तो उसे अवमानना के रूप में माना जाएगा।

कोर्ट के ऐसे निर्देश

- सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी के प्रशासन की आलोचना की
- बाल तस्करी जैसे अपराधों को रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए
- बेंच ने निचली अदालतों को ऐसे मामलों की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करने का आदेश दिया
- अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि किसी नवजात की तस्करी होती है तो अस्पतालों के लाइसेंस निलंबित कर दिए जाएं

देशभर के हाईकोर्ट से मांगी जानकारी

शीर्ष अदालत ने कहा, देशभर के हाई कोर्ट को बाल तस्करी के मामलों में लंबित मुकदमों की स्थिति के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया जाता है। इसके बाद 6 महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के निर्देश जारी किए जाएंगे। अदालत ने आदेश दिया, यदि कोई महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म देने आती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो पहला कदम लाइसेंस निलंबित करना होना चाहिए। बेंच ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। इसे न्यायालय की अवमानना माना जाएगा।

क्या है मामला

सुप्रीम कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी उस मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें तस्करी करके लाए गए एक बच्चे को उत्तर प्रदेश के एक दंपत्ति को सौंप दिया गया था जो बेटा चाहते थे। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी थी। आरोपियों की जमानत रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले से निपटने के तरीके को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों को फटकार लगाई। बेंच ने कहा, आरोपी को बेटे की चाहत थी और उसने 4 लाख रुपए में बेटा खरीद लिया। अगर आप बेटे की चाहत रखते हैं तो आप तस्करी किए गए बच्चे को नहीं खरीद सकते। वो जानता था कि बच्चा चोरी हुआ है।

दो दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति बढ़ी

शेयर बाजार बूम, निवेशकों को 18 लाख करोड़ का मुनाफा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

शेयर बाजार में दो कारोबारी सत्रों में आई जोरदार तेजी के साथ निवेशकों की संपत्ति 18.42 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जोरदार तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स 1,578 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी 500 अंक के लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,577.63 यानी 2.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स 1577.63 अंक चढ़ा

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,577.63 यानी 2.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। दो दिनों में मानक सूचकांक सेंसेक्स 2,887.74 अंक चढ़ा है। इस तेजी के साथ, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 18,42,028.91 करोड़ रुपए उछलकर 4,12,24,362.13 करोड़ रुपए पहुंच गया।

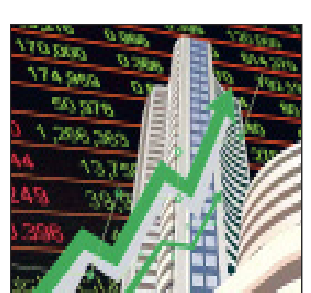

कोरिया, जापान और चीन में भी तेजी: लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा, मंगलवार को मानक सूचकांकों में तेज बढ़त रही। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक ने भी मजबूत बढ़त दर्ज की। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में रहे।

ट्रंप के ऐलान से गुलजार हुआ बाजार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह वाहन उद्योग को शुल्क से अस्थायी तौर पर छूट दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह अस्थायी तौर पर स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क से छूट दे रहे हैं। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, जवाबी शुल्क के मामले में अचानक से मिली राहत से बाजार में तेजी आई है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर छूट से यह तेजी मंगलवार को जारी रही। शुल्क से राहत की उम्मीद में वाहन शेयर लाभ में रहे।

एक परिवार के पांच की मौत, 11 घायल

बहराइच। बहराइच-गोंडा राजमार्ग पर मंगलवार को 'डबल डेकर' बस और टेंपो के बीच हुई आमने सामने की टक्कर में एक ही परिवार की दो महिलाओं और दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गयी। इस हादसे में अमजद (45), फहाद (05), अजीम (12), मरियम (65) और मुन्नी (45) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी।टेंपो में सवार परिवार के 11 अन्य लोग घायल हो गये। बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी ने संवाददाताओं से बताया कि बहराइच जनपद के थाना हुजूरपुर अंतर्गत ग्राम हिरईपुर निवासी एक परिवार के 16 लोग एक टेंपो पर सवार होकर पयागपुर थानांतर्गत कोलुहवा गांव में अपने रिश्तेदार के घर आयोजित एक समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

बीवी-बच्चों के साथ स्पेस में घूमिए, बस लगेगी इतनी टिकट

नई दिल्ली। पॉप सिंगर कैटी पेरी ने हाल ही में अपने सपने को जिया है। उन्होंने जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड रॉकेट में बैठकर अंतरिक्ष की सैर की। इस यात्रा के बारे में सुनकर कोई भी हैरान हो जाएगा। उनके साथ पांच और महिलाएं थीं.. जिनमें जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज भी शामिल थीं। इन सभी महिलाओं ने पृथ्वी की सतह से 60 मील ऊपर तक की यात्रा की। यात्रा पूरी होने के करीब 10 मिनट बाद सुरक्षित धरती पर लौट आईं। उड़ान की शुरुआत अमेरिका के टेक्सास से हुई। आइये आपको अब ये बताते हैं कि स्पेस ट्रिप के लिए आम आदमी के लिए क्या व्यवस्था है?

क्या आप भी कर सकते हैं अंतरिक्ष यात्रा?

सवाल उठता है कि क्या आम लोग भी अंतरिक्ष यात्रा कर सकते हैं? इसका जवाब हां है।. लेकिन इसके लिए आपकी जेब बेहद भारी होनी चाहिए या फिर आप किसी खास आमंत्रण के पात्र होने चाहिए। ब्लू ओरिजिन की वेबसाइट के अनुसार ऐसे किसी भी ट्रिप के लिए पहले $150,000 यानी करीब 1.28 करोड़ की रिफंडेबल डिपॉजिट भरनी होती है। 2021 में ब्लू ओरिजिन की पहली उड़ान के लिए एक सीट की नीलामी में कीमत $28 मिलियन यानी करीब 241 करोड़ तक पहुंच गई थी। कुछ यात्रियों ने बताया कि उन्होंने 0 से लेकर करीब 30 मिलियन डॉलर तक की रकम चुकाई।

अन्य कंपनियों के भी हैं स्पेस टूरिज्म पैकेज

स्पेस यात्रा के लिए सिर्फ ब्लू ओरिजिन ही नहीं, बल्कि अन्य कंपनियां भी ऑप्शन दे रही हैं। वर्जिन गैलेक्टिक नाम की कंपनी एक 90 मिनट की अंतरिक्ष यात्रा 3.85 करोड़ में करवा रही है। वहीं, स्पेस पर्सपेक्टिव नाम की कंपनी 6 घंटे की स्ट्रैटोस्फियर यात्रा 1.07 करोड़ में ऑफर कर रही है। टेक्सास स्थित एक स्टार्टअप 'एक्सिओम स्पेस' तो 10 दिन की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यात्रा 458 करोड़ में करवा रही है।

आम आदमी के लिए अब भी सपना है स्पेस जाना

हालांकि ये अनुभव बेहद खास है, लेकिन यह आम लोगों के लिए फिलहाल एक सपना ही है। जब तक स्पेस टूरिज्म की तकनीक और प्रतियोगिता और विकसित नहीं हो जाती तब तक इसकी कीमतें आम इंसान की पहुंच से काफी दूर रहेंगी। लेकिन, कैटी पेरी की यात्रा यह जरूर दिखाती है कि एक दिन शायद अंतरिक्ष जाना उतना ही सामान्य हो जाएगा.. जितना आज प्लेन में फ्लाइट लेना।

मशहूर लोगों का स्पेस एक्सपीरियंस

पिछले कुछ सालों में कई मशहूर हस्तियां भी अंतरिक्ष यात्रा कर चुकी हैं। इनमें खुद जेफ बेजोस का नाम भी शामिल है। इनके अलावा स्टार ट्रेक के एक्टर विलियम शैटनर, पूर्व एनएफएल खिलाड़ी माइकल स्ट्रेहान, यूट्यूब स्टार कोबी कॉटन, टीवी होस्ट एमिली कैलानड्रेली और वर्जिन गैलेक्टिक के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन जैसे नाम भी अंतरिक्ष की सैर कर चुके हैं। इससे साफ है कि अब अंतरिक्ष यात्रा केवल वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह अमीर और मशहूर लोगों के लिए भी एक एक्सक्लूसिव एडवेंचर बन चुका है।

धरती का वो कोना, जहां पहुंचते ही दिख जाता है भविष्य! दिलचस्प है इतिहास, पर जाने पर लगी है पाबंदी

नई दिल्ली। इंसान ने विज्ञान के ज़रिये बहुत कुछ सीख लिया है। कई ऐसी चीज़ें वो कर ले रहा है, जो पहले सिर्फ कल्पना में ही हो सकती थीं। एक ऐसी ही चीज़ टाइम ट्रैवलिंग भी है। इंसान अब भी समय से आगे और पीछे जाना नहीं सीख पाया है, लेकिन आपको आज हम एक ऐसी जगह के बारे में बताएंगे, जहां टाइम ट्रैवेल यानि समय में यात्रा करना कुछ हद तक संभव है। आप यहां भविष्य को छूकर वापस आ सकते हैं। ऐसा नहीं है कि ये कोई नई जगह है, दरअसल हज़ारों साल से ये यहां मौजूद है। आपने इसके बारे में शायद सुना भी हो, लेकिन इस तरह से सोचा नहीं होगा। ये एक द्वीप है, जिसका नाम डायोमीड है। दो हिस्सों में बंटे हुए इस आइलैंड की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसके एक कोने से दूसरे कोने में पहुंचते ही आप अतीत से भविष्य में पहुंच जाते हैं। है ना दिलचस्प!

यहां भविष्य में पहुंच जाते हैं लोग

डायोमीड आइलैंड अपने आपमें अनोखा है। ये दो हिस्सों में बंटा हुआ है – बिग डायोमीड लिटिल डायोमीड। इनके बीच दूरी सिर्फ 4.8 किलोमीटर की है। हालांकि, ये दूरी आपको भूत से भविष्य में पहुंचा देने के लिए काफी है। इसकी वजह ये है कि प्रशांत महासागर से गुजरने वाली इंटरनेशनल डेट लाइन बिग डायोमीड और लिटिल डायोमीड के बीच से गुजरती है और इस यात्रा में एक दिन का अंतर हो जाता है। इंटरनेशनल डेट लाइन वो काल्पनिक रेखा है, जो भौगोलिक दृष्टि से उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक जाती है। यही रेखा कैलेंडर के एक दिन और दूसरे दिन के बीच का बॉर्डर है। यही वजह है कि डायोमीड के एक से दूसरे छोर तक जाने में कैलेंडर का दिन बदल जाता है और इंसान अतीत से भविष्य में पहुंच जाता है और भविष्य से अतीत में लौट सकता है।

1728 में नाविक ने खोजा था

ये इलाका काफी ठंडा है, ऐसे में सर्दियों में दोनों द्वीपों के बीच एक पुल बन जाता है। इसके जरिये एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक पैदल ही जाया जा सकता है। इसे और दिलचस्प तरीके से समझना हो, तो जानिए कि अगर आप रविवार को एक छोर से चलते हैं, तो दूसरे छोर तक पहुंचते ही सोमवार की तारीख आ जाएगी. यही वजह है कि बिग डायोमीड को टूमारो और लिटिल डायोमीड को एस्टरडेय आइसलैंड भी कहा जाता है। इसे 16 अगस्त, 1728 में डेनिश-रशियन नाविक विटस बेरिंग ने खोजा था और नाम दिया था।1982 में अमेरिका ने रूस से इसे खरीदा और दोनों देशों के बीच सीमा रेखांकन हुआ था। इसके बाद ही इस द्वीप के दो हिस्सों के बीच यात्रा अवैध हो गई। चूंकि, रूस और अमेरिका के बीच रिश्ते भी ऐसे नहीं हैं, तो यहां आने-जाने पर पाबंदी भी है और इधर कोई रहता भी नहीं।

'ग्लोबल मॉडल इंडिया 2025 : कोरापुट की हीनारानी पटनायक ने फैशन शो में बिखेरा जलवा'

मुंबई। पुरी गवर्नमेंट यूथ हॉस्टल, पुरी के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित ग्लोबल मॉडल इंडिया फैशन इनक्लूसिविटी शो 2025 में इस वर्ष ओडिशा की संस्कृति, प्रतिभा और विविधता का भव्य उत्सव देखने को मिला। इस आयोजन की स्थापना एवं अध्यक्षता अमर शमू सोनवणे ने की, जबकि नेशनल डायरेक्टर की भूमिका डॉ. प्रीतम बाघ ने निभाई। शो डायरेक्टर सुप्रिया मिश्रा और कोरियोग्राफर एवं शो ग्रूमर आदर्श माझी रहे। इस विशेष कार्यक्रम में तीन राउंड - इंडो-वेस्टर्न, ट्रेडिशनल और वेस्टर्न - आयोजित किए गए। कार्यक्रम में फैशन को हर वर्ग और श्रेणी के लिए समर्पित किया गया, जिसमें किड्स, टीन्स, मिस, मिस्टर, मिसेज और दिव्यांग (PWD) के लिए विशेष कैटेगरी थीं।

ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति को समर्पित इस शो में कोरापुट की 20 वर्षीय हीनारानी पट्टनायक ने शो ओपनर के रूप में दर्शकों का दिल जीत लिया। इंडो-वेस्टर्न और वेस्टर्न राउंड की ओपनर रही हीनारानी ने आत्मविश्वास और सुंदरता का अद्भुत प्रदर्शन किया और सर्वश्रेष्ठ मॉडल पुरस्कार बी जेथे। हीनारानी भास्कर चंद्र पट्टनायक और सबीता कुमारी प्रधान की सुपुत्री हैं और एक साधारण मध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं। हीनारानी का सपना है कि वह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक प्रोफेशनल मॉडल के रूप में अपना नाम स्थापित करें। इस फैशन शो ने उन्हें एक नई पहचान दी है और उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। इस आयोजन में स्वाति मोहापात्रा (Swaah Fashion), ओडिशा हस्त तंत, और आयुष्मान नायक एवं अंकित अभिषेक नायक (Jyotsu Fashion) जैसे प्रतिष्ठित डिजाइनर्स ने अपने परिधानों से शो को रंगीन बनाया। यह शो न केवल फैशन को समर्पित था, बल्कि यह सामाजिक समावेशिता, क्षेत्रीय पहचान और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक भी बना।

श्रद्धा भाव से जय भीम गर्जना मंडल असद ने मनाई बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती

सांगली। तहसील कड़ेगाव के ग्राम असद में जय भीम गर्जना मण्डल की और से भारतरत्न, भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ.भीमाराम अंबेडकर जयंती उत्साह के साथ मनाई। डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर अमानवीय कुरीतियों जैसे छुआछूत, जातिगत, भेदवाव, तिरस्कार और सामाजिक अन्याय आदि को स्वयं भोगा था, परन्तु कभी धैर्य नही खोया और ना ही भेदभाव रखा सभी के सामान अधिकार के लिए बाबा साहब ने सिर्फ भारत के संविधान की नींव ही नही रखी, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानव अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। आज के युवा पीढ़ी को डॉ बाबा साहेब आंबेडकर को समझना होगा, उन के ग्रंथ, साहित्य को पढ़ना होगा, उस से प्रेरणा लेनी चाहिए। जय भीम गर्जना मण्डल की और से असद ग्राम के सभी ग्राम पदाधिकारियों एवं मान्यवर ग्रामवासियों को डॉ. बाबासाहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सुबह 9 बजे भारत रत्न डॉ बाबासाहब अंबेडकर की फोटो प्रतिमा के पूजन के लिए आमंत्रित किया गया था, फोटो पूजन सोनहिरा सहकारी शुगर फैक्ट्री के संचालक प्रभाकर चंद्रकांत जाधव उर्फ पी. सी. दादा, चौण्डेश्वरी उद्योग समूह के संस्थापक तानाजी विष्णु जाधव उर्फ भाऊ, सरपंच मोहन जगन्नाथ जाधव, उपसरपंच नंदकुमार विट्ठल जाधव, असद सोसाइटी चेयरमैन संजयकुमार शंकर जाधव, पूर्व चेयरमैन संजय पंढरीनाथ जाधव, असद तंटमुक्ति अध्यक्ष सुरेश नामदेव जाधव, तंतामुक्ति उपाध्यक्ष राजेंद्र विश्वनाथ जाधव उपस्थित मान्यवरों द्वारा फोटो पूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चिंचनी ग्रामीण पुलिस स्टेशन से सहायक पुलिस फौजदार रमेश साळुंखे एवं सहायक पोलिस फौजदार सतीश माने उपस्थित थे। उस वक्त जय भीम गर्जना मण्डल के अध्यक्ष सुजय अंगवणे, उपाध्यक्ष विकास गवाळे, कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ अंगवणे, सचिव भावेश अंगवणे, गणेश अंगवणे, विक्की अंगवणे, अर्जुन अंगवणे, सुरेश अंगवणे उर्फ अण्णा, तानाजी अंगवणे, ज्योतिराम अंगवणे, अमोल अंगवणे, इंद्रजीत कांबळे, निखिल अंगवणे, सुरेश धुमाळ, अनिकेत अंगवणे, आनंद अंगवणे, साहिल अंगवणे, समीर शिकलगार, वसंत अंगवणे, प्रतीक अंगवणे, मंगल अंगवणे, शारदा अंगवणे एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रफ्तार का कहर, चालक समेत दो शिक्षिकाओं की मौत, एक गंभीर

कानपुर। यहां जिले भर में असमय मौत के रूप में रफ्तार का कहर लगातार जारी है। उसने चालक समेत दो शिक्षिकाओं की भी जान ले ली जबकि एक घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना तेज रफ्तार कार और बस की जोरदार टक्कर के फलस्वरुप हुई। घटना बिठूर थाना क्षेत्र में नारा मऊ के पास हाईवे पर हुई। उस समय कल्याणपुर के नया शिवली रोड निवासी 37 वर्षीय शिक्षिका आकांक्षा मिश्रा उन्नाव के कंपोजिट विद्यालय जमाल नगर सफीपुर रोज की तरह कार से जा रही थीं। इस दौरान उनके साथ 41वर्षीय शिक्षिका अंजुला मिश्रा निवासी विश्व बैंक बर्रा, रिचा अग्निहोत्री निवासी कल्याणपुर गूबा गार्डन भी थीं। सुबह करीब 7.30 बजे नारामऊ नई क्रॉसिंग के पास उनकी कार और बस में आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें तीनों शिक्षिकाएं और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।

ठाणे सीपीसीए ने किया 'पेप्पी एंड जिंजर विंग' का अनावरण

ठाणे। ठाणे कम्युनिटी फॉर द प्रोटेक्शन एंड केयर ऑफ एनिमल्स (ठाणे सीपीसीए) ने अपने नवीनतम केंद्र, पेप्पी एंड जिंजर विंग (पीजीडब्लू) का 9 अप्रैल, 2025 को उद्घाटन किया। ये आयोजन प्रतिष्ठित सामुदायिक नेताओं, प्रतिष्ठित पेशेवरों और पशु कल्याण के प्रति उत्साही समर्थकों की मौजूदगी में हुआ। पेप्पी एंड जिंजर विंग, ठाणे सीपीसीए के मौजूदा सेंटर का विस्तार है, जिसमें विशेष एक्स-रे स्कैनिंग, आधुनिक सर्जिकल सुइट और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सहित उन्नत निदान संबंधी उपकरण शामिल हैं। ये सेंटर उत्कृष्ट पशु देखभाल प्रदान करने के अपने मिशन को और सशक्त बनाता है। पीजीडब्ल्यू में सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने में एचआर जॉनसन के अभिनव टाइलिंग तकनीक का महत्वपूर्ण रोल हैं। एक्स-रे स्कैनिंग क्षेत्र में, विकिरण जोखिम से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने के लिए एचएंडआर जॉनसन की रेडिएशन शील्डिंग टाइल्स (आरएसटी) लगाई गई हैं। उच्च घनत्व, विकिरण-अवशोषित सामग्री से बनी ये टाइल्स उस जगह महत्वपूर्ण हैं जहाँ एक्स-रे निदान किए जाते हैं, इससे कर्मचारियों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, एचआर जॉनसन की डिजाइन टीम ने सीपीसीए के साथ मिलकर पेप्पी और जिंजर से प्रेरित एक कस्टम रिसेप्शन बैकड्रॉप टाइल इंस्टॉलेशन तैयार किया है - ये वे जानवर हैं जिनके नाम पर इस नए विंग का नाम रखा गया है। ये दोनों प्यारे जानवर सीपीसीए की देखभाल और धैर्य की भावना की भावना का प्रतीक है। यह केंद्र न केवल अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त है, बल्कि यह गर्मजोशी और आत्मीयता को भी दर्शाता है। ठाणे सीपीसीए की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मजूमदार ने बताया, मैं 1994 से पशु कल्याण के लिए काम कर रही हूं।

ठाणे सीपीसीए की शुरूआत 1 अप्रैल, 2005 को एक उदार परोपकारी व्यक्तित्व श्री नानजीभाई ठक्कर द्वारा पशुओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जमीन पर हुई थी। हमने कई सालों तक अधिकारियों से ऐसी जगह देने की अपील की, जहाँ जानवरों को सड़कों पर तड़पने के बजाय मरने की जगह सम्मानजनक विदाई के लिए स्थान मिले, लेकिन अधिकारियों की अधिकारियों की चुनौतियों और प्राथमिकताओं की वजह से हमें कोई सहायता नहीं मिली। फिर भी, हमारे ट्रस्टियों, स्वयंसेवकों और डॉक्टरों के सहयोग से, हमने ठाणे में जानवरों को बचाया, उनका पुनर्वास किया और उन्हें दूसरे स्थानों पर भेजा, निजी व्यक्तियों और पशु प्रेमियों पर्यावरणविद् और पशु प्रेमी श्रीमती प्रिया सिंह अग्रवाल ने कहा, मैं ठाणे सीपीसीए, इसके ट्रस्टियों और श्रीमती शकुंतला मजूमदार के अथक प्रयासों से वाकई प्रेरित हूँ। जानवरों को बचाने और उन्हें ठीक करने के लिए उनका निस्वार्थ कार्य असाधारण है। पेप्पी और जिंजर विंग एक दयालु दुनिया के लिए उनके दृष्टिकोण का उदाहरण है। इस परिवर्तनकारी पहल का समर्थन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। निर्माण सामग्री विशेषज्ञ श्री दिनेश व्यास (एचएंडआर जॉनसन इंडिया) ने बताया, जब मैं श्री देबाशीष मजूमदार से मिला और सभी जानवरों के निदान और उपचार के लिए पीजीडब्ल्यू सेंटर के लिए उनके प्रभावशाली दृष्टिकोण के बारे में जाना, तो हमने तेजी से काम किया, अपनी विशेष औद्योगिक टाइलों की सिफारिश की और उनके क्रियान्वयन की निगरानी की। बेहतर गुणवत्ता वाले उच्च घनत्व वाले विकिरण परिरक्षण कच्चे माल से डिजाइन और निर्मित हमारी विशेष औद्योगिक टाइलों का उपयोग अस्पतालों, उद्योगों, अनुसंधान केंद्रों आदि में किया जाता है। भोपाल में सीएसआईआर के एएमपीआरआई के साथ विकसित हमारी पेटेंट एक्स-रे रेडिएशन शील्ड टाइलें स्कैनिंग रूम से परे सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं- तांबे की प्लेटों की जगह लेने वाला एक वैश्विक नवाचार। डिजाइन योगदान पर, उन्होंने कहाः हमारी डिजाइन टीम ने रिसेप्शन बैकड्राप के लिए एक विशेष सिरेमिक टाइल म्यूरल तैयार किया है, जिसमें पेप्पी और जिंजर को चित्रित किया गया है।

विदर्भ वेलफेयर असोसिएशन मुंबई का 15 वां वार्षिक गेट-टुगेदर शानदार सफलता के साथ संपन्न

कोकब ए विदर्भ का अवार्ड लोकप्रिय समाजसेवक मोहम्मद अफजल को और मरहुम मेहबुब सौदागर को दिया गया

मुंबई। हम सिस्टम से कनेक्ट नहीं होंगे तो हमारी कोई दखल नहीं लि जाएगी जब तक हम सिस्टम से कनेक्ट नहीं होंगे तब तक हम हुकूमत का निशाना बनते जाएंगे ऐसा प्रतिपादन रिटायर पुर्व डिस्ट्रीक जज मोहम्मद युनुस शेख ने विदर्भ वेलफेअर असोसिएशन के वार्षिक गेट टुगेदर के कार्यक्रम मे लोगो को संबोधित करते हुए बोल रहे थे. मुंबई स्थित विदर्भ वेलफेयर असोसिएशन द्वारा आयोजित 15वां वार्षिक मिलन समारोह 13 अप्रैल 2025 को कुर्ला (पश्चिम) के अंजुमन-ए-इस्लाम अल्लाना हाई स्कूल में बड़ी गरिमा, अनुशासन और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सबसे पहेले कुराण पाक कि तिलावत कि गई उसके बाद कार्यक्रम कि शुरूआत कि गई. इस वक्त सभी मान्यवरो का सम्मान किया गया।

वार्षिक रिपोर्टः संगठन की सेवाओं का उत्कृष्ट लेखा-जोखा

कार्यक्रम के दौरान जनरल सेक्रेटरी जनाब सैयद नासिर अली ने बड़ी ही प्रभावशाली और प्रभावशाली अंदाज में विदर्भ वेलफेयर असोसिएशन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। इस रिपोर्ट में वर्ष 2018 से 2025 के बीच संगठन द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि इन सात वर्षों में कुल 36,14,508 की जकात के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता की गई। यह आँकड़ा संगठन की पारदर्शिता और समाज सेवा के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। रिपोर्ट में आशियाना योजना का विशेष रूप से उल्लेख किया गया, जिसमें जरूरतमंद परिवारों के लिए स्थायी आवास की व्यवस्था पर जोर दिया गया। साथ ही सभी यूनिट्स को मजबूत और सक्रिय बनाने की रणनीति पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। विदर्भ वेलफेयर एसोसिएशन के 15वें वार्षिक मिलन समारोह में जहां समाज की अनेक सितारों का सम्मान किया गया, वहीं मंच से डॉ. सादिक पटेल साहब ने संस्था के वरिष्ठ मार्गदर्शक कासिम रजा सर के कार्यों को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा कि, कासिम रजा सर तबीयत खराब होने के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उनकी अनुपस्थिति में भी उनके कार्यों की गूंज पूरे मंच पर महसूस की गई। उनकी समाज सेवा, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और संस्थागत मजबूती के लिए उनका समर्पण, आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा। उन्होंने समाज के हर व्यक्ति से अपील की कि वह इस परियोजना में दान, सहयोग और समर्थन के माध्यम से हिस्सा लें, ताकि यह आशियाना जल्द से जल्द बनकर तैयार हो और एक-एक जरूरतमंद की

मदद कर सके। यह आयोजन न केवल एक सामाजिक समागम था, बल्कि यह विदर्भ समाज की एकजुटता, प्रतिभा और समर्पण का जीवंत चित्रण भी बन गया। संगठन का उद्देश्यः प्रतिभाओं को मंच और मान्यताविदर्भ वेलफेयर असोसिएशन का ध्येय केवल समाजसेवा नहीं, बल्कि समाज में छुपी हुई प्रतिभाओं को पहचान देना है। शिक्षक, डॉक्टर, पत्रकार , समाजसेवी से लेकर छात्रों तक—हर वर्ग की उपलब्धियों को मंच पर लाकर सम्मानित किया गया, जिससे उनमें नई ऊर्जा और समाज में सकारात्मक सोच का संचार हुआ। गौरवपूर्ण अतिथि मंडली और सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री साहिर सामी खतिब (वाइस चेयरमैन, मेडले फार्मास्युटिकल्स) थे।श्री मोहम्मद यूनुस शेख, डॉ. शेख अब्दुल्ला उपाध्यक्ष अंजुमन ए इस्लाम, डॉ. रफीक उल्लाह खान, डॉ. अशोक डी. राठौड़, और श्री गजानन नागे ने विशेष अतिथी के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नाज़िमुद्दीन काजी ने की। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के अवॉर्ड विजेताओं को सम्मानित किया गयाः जिसमे विदर्भ वेलफेअर असोशिएशन का नामचिन अवार्ड कोकाब-ए-विदर्भ सम्मानः श्री मोहम्मद अफजल मोहम्मद असलम, और मरहुम शेख महबूब सौदागर (मरणोपरांत) को दिया गया जिसे मरहुम मेहबुब सौदागर के परिवार स्टेज पर स्विकार किया. तो सामी खतीब फामेर्सी अवॉर्डः डॉ. शारिक सैयद साहब को दिया गया, मोहम्मद इब्राहिम शरार अदबी अवॉर्डः मिरा रोड के लोकप्रिय डॉ. मोहम्मद कलीम ज़िया,और डॉ. याह्या नशीत को दिया गया. शिक्षक सम्मान अवार्ड : जनाब शफीकुर रहमान शेख साहब और जनाब शरीफुद्दीन शेख दिया गया. मोहम्मद उमर वेलफेअर सामाजिक सेवा सम्मान अवार्ड : मोहम्मद मुफक्कारुद्दीन सिद्दीकी को (मरणोपरांत) दिया गया, सांताक्रुज के लोकप्रिय समाजसेवक हाफिज नदीमुद्दीन नाज़िमुद्दीन शेख को दिया गया. मेधावी छात्र पुरस्कारः सांताक्रुज के अनस आरिफ शेख को , और आसिफ इकबाल, उजैर अहमद शेख, अर्बाज फि रोज खान को दिया गया. विशेष सम्मान अवार्ड : श्री अब्बास मुजाहिद को दिया गया. जे. जे अस्पताल के डॉक्टर मजहर खान को वैयकिय विभाग मे उत्कृष्ट सेवा करने पर शाल और बुके देकर सम्मानित किया गया. पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए समाजसेवी पत्रकार जफर सिद्दीकी को विदर्भ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा शाल और बुके देकर जे. जे. अस्पताल क पुर्व डिन डॉक्टर सादीक पटेल साहब के मुबारक हातो से भव्य सम्मान किया गया. कार्यक्रम में नयापन और अनुशासन का बेहतरीन समन्वय इस वर्ष समारोह में एक नया अंदाज देखने को मिला। ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को यूनिट स्तर पर सम्मानित किया गया। इससे न केवल छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ, बल्कि यूनिट्स को भी संगठित रूप में कार्य करने की प्रेरणा मिली। समारोह तय समय पर शुरू हुआ और तय समय पर समाप्त हुआ—यह अपने आप में एक मिसाल थी। सभी यूनिट्स की ओर से कार्यक्रम की उत्कृष्ट योजना, व्यवस्थापन और अनुशासन की प्रशंसा की गई।

संरक्षक और सलाहकारों का मार्गदर्शन रजा सर और सैफुल्लाह खान जैसे वरिष्ठ संरक्षकों की प्रेरणा और कासिम रजा सर, डॉ. ए.आर. खान, डॉ. एस.बी. पटेल जैसे अनुभवी सलाहकारों का मार्गदर्शन, कार्यक्रम की सफलता में अहम रहा। यह आयोजन न केवल एक सामाजिक उत्सव था, बल्कि यह समाज के लिए एक दिशा, एक प्रेरणा और एक सकारात्मक संदेश भी लेकर आया. इस वक्त प्रमुख मौजुदगी मे मिरा रोड युनिट के सदर फैजुल्ला शेख, कबिर शेख, सांताकृज के मुमताज सर, लोकप्रिय समाजसेवक अब्दुल फहिम शेख, इमरान सर, शाकिर सर, सिद्दीक सर, सय्यद नदीम, सय्यद साबिर, मेहमुद सर, साकिब सर, सिद्दीक सर, वसिम सर, गुलाम शाकिर सर, शौकत सर वसीम शेख कुर्ला युनिट के वसिम सर, गोवंडी युनिट के तजम्मुद भाई, महफुज भाई, मुंब्रा युनिट के जुबैर कुरेशी फिल्म क्टर आरीफ खान, शिक्षण विभाग के अधिकारी अश्पाक सर, जुबैर कुरेशी, खालीद साहब, डॉक्टर नफीस, एडवोकेट एस ए खान, अनिस सौदागर, जुबैर सौदागर, फजल सौदागर, आरिफ शेख, अब्दुर रहमान शेख, गालिब जमादार, शाहिद भाई , हाजी शकील जमादार, मुमताज सर, गुलाम शाकिर सर, पत्रकार जफरसिद्दीकी, खालीद अख्तर, आरीफ शेख, परवेज साहिल, बहोत सारे विदर्भ असोसिएशन के मुंबई के पदाधिकारी एंव युनिट पदाधिकारी,कार्यकर्ता .मौजद थे. प्रोग्राम का संचालन परवेज साहिल और जाकीर पातुरी ने बडे अच्छे अंदाज मे निभाया.

विटामिन डी पूरा करने के लिए खाएं ये आहार

शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए विटामिन,मिनरल्स और पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। हर विटामिन का बॉडी के लिए खास महत्व है। आज हम विटामिन डी के बारे में बात कर रहे हैं। यह विटामिन शरीर के लिए बहुत जरूरी है। कैल्शियम के साथ अगर विटामिन डी की कमी हो जाए तो बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

विटामिन डी की कमी से होने वाली परेशानिया

1. हड्डीयां और मांसपेशियां कमजोर
2. हाई ब्लड प्रैशर
3. तनाव और उदासी
4. आलस और थकावट

इस तरह करें कमी को पूरा

1. धूप लेना जरूरी: विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए धूप में बैठना बहुत जरूरी है। सुबह के समय धूप लेने स‍े शरीर में विटामिन डी की कमी नहीं होती और इससे स्किन एलर्जी से भी बचा जा सकता है।

2. सॉल्मन और टुना फिश
नॉन वेज खाने के शौंकिन हैं तो सॉल्मन और टुना फिश में विटामिन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कॉड लिवर में भी विटामिन डी भरपूर मात्रा होता है।

3. अंडा: मछली के अलावा अंड़े के सेवन से भी विटामिन डी की कमी दूर होती है।

4. डेयरी प्रॉडक्ट: दूध,मक्खन और पनीर अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे शरीर की बहुत सी परेशानिया दूर हो जाती है।

5. गाजर:गाजर का जूस पीने से विटामिन की कमी को पूरा करने में मदद मिलती है। रोजाना 2 गिलास गाजर की जूस जरूर पिएं।

भारत में 20 करोड़ लोग हाई ब्लडप्रेशर की चपेट में

अनियमित जीवनशैली और लोगों का खानपान इस आधुनिक जमाने में उनको तरह -तरह की बीमारियों के चपेट में ले रहा है। बावजूद इसके लोग इस गंभीर बीमारी को संजीदगी से नहीं ले रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रही उच्च रक्तचाप के मरीजों की संख्या पर गौर करें तो इसे हम जान पाएंगे कि कैसे इस बीमारी से साल दर साल देश में हाई ब्लडप्रेशर के रोगियों की तदाद बढ़ती जा रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश के करीब 20 करोड़ वयस्क उच्च रक्तचाप (हाई ब्लडप्रेशर) से पीड़ित हैं। एक अध्ययन से इस बात का खुलासा हुआ कि पूरी दुनिया में इस बीमारी से शिकार लोगों की संख्या में और इजाफा हुआ है। वर्तमान में विश्व में एक अरब,13 करोड़ लोग इस रोग से जूझ रहे हैं। गौरतलब हो कि इस अध्ययन में करीब दो करोड़ लोगों के रक्तचाप के आंकड़ों को शामिल कर हाई ब्लडप्रेशर से ग्रसित लोगों की जानकारी लगाई।

लंदन के इंपीरियल कॉलेज के वैज्ञानिकों की एक टीम ने अपने अध्ययन में कहा कि हाई ब्लडप्रेशर से जुड़े मरीजों की तादाद दुनिया भर में इन बीते 40 सालों में लगभग दोगुनी हो चुकी है। साथ ही इस रोग से पीड़ित आधे से ज्यादा लोग एशिया प्रांत से हैं। द लैंसेट जर्नल में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, ये संख्या चौकाने वाला है कि साल 2015 में पाया गया कि अधिकांश देशों में महिलाओं की तुलना में पुरुष इस उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। शोधकताओं ने इस अध्ययन के दौरान साल 1975 से 2015 के बीच हाई ब्लडप्रेशर में आए अंतर भी ध्यान दिया।

ऐसे करें बचाव

इस बीमारी से बचाव ही इसका कारगर इलाज साबित हो सकता है। अगर आपको इस तरह की बीमारी हो तो आप इससे घबराएं या डरने की बजाए अपने खानपान को ठीक करने पर ध्यान दें। क्योंकि संतुलित और खानपान में शामिल परहेज से आप इस बीमारी की चपेट में आने से बच सकते हैं। अगर आपको हाई ब्लडप्रेशर है तो आप खाने में प्याज जरूर शामिल करें साथ ही हींग भी आपके खाने में होनी चाहिए। ज्यादा नमक का सेवन ना करें क्योंकि इससे हाईबीपी की समस्या और अधिक बढ़ने का खतरा रहता है। प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी 6 और बी 12 को अपने भोजन में शामिल करें जो कि दही में पर्याप्त होता है। अपने भोजन में आलू शामिल करें क्योंकि इससे ब्लड प्रेशर कम होता है। अखरोट और हरा धनिया भी इस रोग में फायदेमंद साबित होते है। ये ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार होने के साथ - साथ इस समस्या को ठीक करने में भी सहायक होते हैं। आप जितना हो सके कैफीन युक्त पेय पदार्थ कम से कम लें।

सर्दी में गुड़ के फायदे

सर्दी के दिनों में गुड़ आपके लिए हर तरह से फायदेमंद होता है। यह स्वास्थ्य और पाचन के लिए लाभदायक साबित होता है। आइए जाने इसके सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

1. सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत

सर्दियों के दिनों में गुड का सेवन करने से गर्माहट मिलती है और यह सर्दी, खांसी और जुकाम से भी बचाता है। गुड की चाय पीने से फायदा मिलता है।

2. एलर्जी से बचाए

इन दिनों में गले और फेफड़ों में संक्रमण बहुत जल्दी फैलता है इसलिए इससे बचने के लिए गुड़ का सेवन काफी मददगार साबित हो सकता है।

3. पाचन क्रिया दुरूस्त

खाना खाने के बाद गुड़ का सेवन करने से पाचन दुरूस्त रहता है। खाना खाने के बाद थोड़ा गुड़ खाने से खाना आसानी से पच जाता है।

4. थकान दूर करें

गुड़ का सेवन करने से मांसपेशियों, नसों और रक्त वाहिकाओं को थकान से राहत मिलती है।

यह खून की कमी को भी दूर करने में भी काफी मददगार साबित होता है। इसके सेवन ब्लड प्रैशर भी कंट्रोल हो जाता है।

सिरदर्द दूर करने के लिए पीएं सिर्फ ये जूस !

भागदौड़ भरी जिदंगी में आज ज्यादातर लोग सिरदर्द की परेशानी से ग्रस्त रहते है। अचानक से सिर में दर्द होना किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाएं तो कई तरह का नुकसान हो सकता है। इसलिए सिरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। आप अपने घर में भी कुछ तरीके अपनाकर सिरदर्द से राहत पाने की कोशिश कर सकते है। आज हम आपको सिरदर्द से राहत पाने के लिए होममेड जूस बनाने के बारे में बताएंगे, जिसकी मदद से आप आसानी से राहत पा सकते है।

जूस बनाने की सामग्री

- 1/2 कप नींबू का रस
- 1 चम्मच शहद
- 2 बूंद लेवेंडर ऑयल

बनाने की विधि

इन सभी चीजों को 1 कप में मिक्स कर लें। बस आपका जूस तैयार हैं। इसको पीने से काफी आराम मिलता है। इस जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो सिर दर्द को कंट्रोल करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शादी के 9 साल बाद अलग हो रहे दिव्यांका और विवेक?

इन दिनों बॉलीवुड से लेकर टीवी जगत में कभी डेटिंग की अफवाह, तो कभी तलाक की खबरे सामने आ रही हैं। पिछले दिनों खबरें थी कि शादी से 37 साल बाद गोविंदा अपनी पत्नी सुनीता आहूजा से अलग हो रहे हैं। लेकिन बाद में सुनीता ने इन खबरों को झूठा बताया था और पैपराजी के सामने कहा था कि कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ है, जो हम दोनों को अलग कर सकता है। इन सबके बीच अब टीवी इंडस्ट्री के फेमल कपल दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया के तलाक की अफवाह सामने आई। दरअसल, खबरें उड़ रही थी कि दोनों शादी के 9 साल अलग हो रहे हैं। ऐसे में अब एक्टर ने खुद इन खबरों पर पहली बार रिएक्ट किया है। हाल ही में विवेक दहिया एक इवेंट में शामिल हुए जहां उनसे दिव्यांका के साथ उनके तलाक की अफवाहों के बारे में सवाल किया गया। तब विवेक ने तलाक की अफवाहों को खारिज किया है और उन्होंने कहा कि वह इन खबरों से परेशान होने की बजाय इस पर हंस रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि बहुत मजे आ रहे हैं। मैं और दिव्यांका, हम लोग हंस रहे थे। हम लोग आईस्क्रीम खाते-खाते सोच रहे थे और लंबा होगा तो पॉपकॉर्न भी मांगा लेंगे।' विवेक दहिया ने आगे बोला कि मैं भी यूट्यूब व्लॉगिंग करता हूं और मुझे पता है ये क्लिकबैट क्या होता है। मैं ये सब कुछ अच्छे से समझता हूं। कुछ सनसनी डाल दोगे तो व्यूज आएंगे और उसे देखेंगे। लेकिन इन सबसे कुछ नहीं होता है और ऐसी झूठी बातों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

विवादों में सनी देओल की फिल्म

सनी देओल की फिल्म जाट विवादों में घिरती नजर आ रही है। फिल्म को रिलीज हुए बस 6 दिन ही हुए हैं। 10 अप्रैल को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है, लेकिन फिल्म को लेकर अब विवाद शुरू हो गया है। रणदीप हुड्डा के एक सीन को लेकर एक खास समुदाय ने आपत्ति जताई है और बताया है कि इससे उनकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंची है। जाट के खिलाफ एफआईआर की मांग की जा रही है और पंजाब में फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की गई है। सनी देओल की फिल्म जाट को लेकर ईसाई समुदाय ने धार्मिक भावना आहत होने का हवाला दिया है और फिल्म के

प्रदर्शन पर पंजाब में रोक लगाने की मांग की गई है। इतना ही नहीं फिल्म के दृश्य को लेकर एफआईआर दर्ज करने की भी मांग की गई है, साथ ही यह भी कहा गया है कि अगर उनकी बातों को नहीं माना गया तो फिर विरोध प्रदर्शन और उग्र होगा। ईसाई समुदाय का कहना है कि इस फिल्म में एक सीन के दौरान यीशु मसीह और ईसाई धर्म का अपमान दिखाया गया है। फिल्म की सीन को देखकर ऐसा लगता है कि यह सोची समझी साजिश के तहत ईसाई धर्म को बदनाम करने के लिए किया गया काम है। दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक ईसाई समुदाय ने लिखित शिकायत में कहा है, रणदीप हुड्डा ने हमारे यीशु मसीह और हमारे धर्म में इस्तेमाल होने वाली पुलपिट जैसी धार्मिक प्रथा का अपमान किया है। वह चर्च में खड़े हैं और खून-खराबा कर रहे हैं। चर्च में ईसाई समुदाय के लोग प्रार्थना कर रहे हैं, लेकिन वहां रणदीप हुड्डा यीशु मसीह की तरह खड़े हो जाते हैं। और कहते हैं कि उन्हें यीशु मसीह ने भेजा है। वह यह भी कहते हैं कि तुम्हारा प्रभु यीशु मसीह सो रहा है और उसने मुझे भेजा है और वह फिर गोलीबारी करने लगते हैं।

खुद को तमन्ना से बेहतर बताकर फंसी उर्वशी

उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने अपने आइटम सॉन्ग सॉरी बोल को तमन्ना भाटिया के आइटम सॉन्ग नशा से बेहतर बताया था, हालांकि उर्वशी रौतेला ने बाद में वह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन सोशल मीडिया पर मौजूद यूजर्स ने उसका स्क्रीनशॉट ले लिया था और अब उस स्क्रीनशॉट को पोस्ट करके सोशल मीडिया यूजर्स उर्वशी रौतेला की क्लास लगा रहे हैं। उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई जा रही है। उन पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने अपनी इस हरकत की वजह से तमन्ना भाटिया को नीचा दिखाने की कोशिश की है। इससे पहले वह कियारा आडवाणी के साथ भी ऐसा कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला की पोस्ट का स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स उर्वशी रौतेला को खरी-खोटी सुना रहे हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि खुद को तमन्ना भाटिया से बेहतर बता कर उर्वशी रौतेला ने खुद अपनी ही फजीहत करवा ली है। उर्वशी रौतेला का सॉरी बोल आइटम सॉन्ग सनी देओल की जाट फिल्म से है, वहीं तमन्ना भाटिया का आइटम सॉन्ग नशा अजय देवगन की फिल्म रेड 2 से है। रेडिट पर पोस्ट की गई इस स्क्रीनशॉट में आप देख सकते हैं कि उर्वशी रौतेला ने अपने गाने को तमन्ना भाटिया से बेहतर बताया है। उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पर की गई है पोस्ट डिलीट कर दी है, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। यूजर्स ने स्क्रीनशॉट ले लिया था और अब वह उन्हें जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं एक यूजर ने लिखा है कि उर्वशी रौतेला हमेशा ही ऐसा करती हैं, इससे पहले उन्होंने कियारा आडवाणी के साथ अपनी तुलना की थी। दूसरे यूजर ने लिखा है कि उर्वशी रौतेला दूसरे के नीचा दिखाने का एक भी मौका नहीं चूकती हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि विश्व सुंदरी होने के बावजूद ये उनकी घटिया हरकत है, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।